

प्रधान मंत्री कार्यालय

साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली - 110 101
दिनांक 22 अक्टूबर, 2010

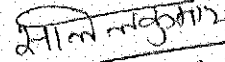
संख्या आरटीआई/3242/2010-पीएमआर

कार्यालय ज्ञापन

विषय - सूचना का अधिकार के तहत आवेदन-पत्र

उपर्युक्त विषय पर श्री कुमेर सिंह मनराल से प्राप्त दिनांक रहित आवेदन-पत्र, जो इस कार्यालय में दिनांक 19.10.2010 को प्राप्त हुआ है, सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(3) के तहत यथोचित कार्रवाई हेतु अंतरित किया जा रहा है। इस कार्यालय से संबंधित सूचना कालान्तर में दे दी जाएगी।

2. आवेदक से आवेदन-शुल्क के रूप में ₹10 की राशि पोस्टल ऑर्डर द्वारा प्राप्त हो गयी है।



(क. सलिल कुमार)

अवर सचिव एवं

केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी

☎: 2307 4072

सचिव, रेलवे बोर्ड
रेल मंत्रालय, रेल भवन
नई दिल्ली - 110 001

प्रति- (स्पीड पोस्ट ए.डी. द्वारा)

श्री कुमेर सिंह मनराल
पिता स्वर्गीय श्री चंदन सिंह मनराल
6/118, प्रेम नगर (न्यू ब्लॉक)
निकट लोधी कॉलोनी
नई दिल्ली - 3

कृपया आप इस मामले में आगे सूचना हेतु रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली से सम्पर्क करें।

3242/10 (speed-post)

सें में

श्री मान सूचना अधिकारी जी, (RTI-CELL)
प्रधान मंत्री कार्यालय,
नई दिल्ली-110001.

URGENT
RTI ACT
File No. 3795
Date... 19.10.10
25-10-10-2010
RTI Cell
For Disposal
19 OCT 2010
DAK SECTION

विषय :- RTI Act-2005 के तहत सूचना प्राप्त करने हेतु।

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं RTI Act-2005 के तहत प्रधान मंत्री जी से आदर के साथ अपने कुछ प्रश्नों का जवाब जानना चाहता हूँ। जो प्रश्न निम्नलिखित हैं।

(1) प्र०- प्रधान मंत्री कार्यालय के पत्र दि०-20-9-2010 के तहत रेलवे मंत्रालय से मेरी माता जी के RTI case के पैरा-2 एवं 4 के शेष भाग में सम्बंधित कार्यवाही के बारे में प्रधान मंत्री कार्यालय ने पुछा था। तथा इस विषय पर रेल मंत्रालय द्वारा प्रधान मंत्री कार्यालय को क्या कार्यवाही रिपोर्ट दी गई है। उसकी प्रतिलिपि मुझे देने की कृपा करें।

(प्रधान मंत्री कार्यालय का पत्र दि०-20-9-2010 संलग्न है) page No-3

(2) प्र०- पत्र दि०-13-10-2010 जो मेरी माता जी ने प्रधान मंत्री जी को प्रेषित (speed post) किया था। इस पत्र पर रेलवे विभाग पर ठोस कार्यवाही कर मुझे सही कार्यवाही रिपोर्ट देने की मुझ पर अपनी कृपा करें। (मैं अपनी माता जी का पत्र दि०-13-10-2010 संलग्न कर रहा हूँ page No-408)

(3) प्र०- मेरी माता जी के पत्र दि०-13-10-2010 के तहत सचवाई को देरबते हुए प्रधान मंत्री जी क्या आप रेलवे विभाग से हम को न्याय दिलवाने की कृपा करेंगे?

(4) प्र०- मेरी माता जी के पत्र दि०-13-10-2010 के अन्तगत कम मिल रही पेंशन, दो बच्चों की रेलवे में नियुक्ति (लायल कोटा व मैडीनल कोटा) सहित मकान नं०-208/1 को पुत्र के नाम पर रिटेन या रीलाटमेंट करने के लिए प्रधान मंत्री जी क्या आप रेलवे विभाग को आर्डर करेंगे?

(5) प्र०- मेरी माता जी के द्वारा पत्र दि०-13-10-2010 रेलवे बोर्ड के कई उच्च अधिकारियों को न्याय करने के लिए भेजा गया है तथा इससे पहले भी न्याय करने के लिए रेलवे बोर्ड कई बार पत्र भेजे हैं पर इसके बावजूद न्याय करने

कैं बदले G.M office Baroda House और D.R.M office द्वारा अपनी मनमर्जी चलते हुए हमारे पूर्व मकान नं०-208/1 Railway Colony Kishan Gany Delhi-7 जो Railway विभाग द्वारा सिल किया गया था उसे किसी और कर्मचारी को रैलाटमेंट कर दिया है तवा प्रधानमंत्री जी मेरी माता जी के पत्र दि०-13-10-2010 के अर्न्तगत हमारे पूर्व रेलवे आवास का रैलाटमेंट को कैंसिल करने या करवाने की कृपा कर हमें रेलवे विभाग से न्याय दिलवाने का कष्ट कर हम पर अपनी कृपा करे। एवं आज तक P.M office से Railway Board को पत्र भेजे जाते रहे पर Railway ने हमारे साथ न्याय नहीं किया। कृपा कर प्रधानमंत्री जी आप अपनी पावर व कानून के साथ हमें रेलवे विभाग से न्याय दिलाने का कष्ट कर कृपा करे।

अतः मेरी आपसे प्रार्थना है कि मेरे द्वारा आदर के साथ पूछे गए मेरे पांच प्रश्नों का सही जवाब प्रधानमंत्री जी, भारत सरकार से RTI Act-2005 के तहत दिलवाकर मुझ पर अपनी कृपा करें।

आदर सहित,

DA/as above

Total page-8

संगलन

CD 10Rs का पोस्टल आर्डर!

Applicant

Kumer,

Kumer. Singh, Mansal,
 5/late St. Chandan. Singh. Mansal.
 6/118 Prem Nagar (New Block)
 Near Lohki Colony
 New Delhi-13
 Ph:-9268436778

प्रधान मंत्री कार्यालय

(जनता अनुभाग - 1)

विषय:- सूचना का अधिनियम के अन्तर्गत श्रीमती स्वजाती देवी का आवेदन-पत्र पूर्व में प्रेषित सचिव काओ पर कृत कार्यवाही के संबंध में।

श्रीमती स्वजाती देवी के दिनांक १०.८.२०१० के आवेदन-पत्र के संदर्भ में उपरोक्त सूचना निम्नलिखित है:-

बिन्दू सरंध्या

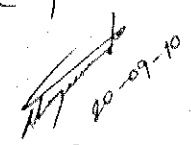
जवाब

1 एवं 3

श्रीमती स्वजाती देवी का दिनांक 11.8.2010 का पत्र इस कार्यालय में निर्धारित दिनांक-निर्देशों के अनुसार अर्जित विभागीय पत्र सं. 1/3/2010-पीएम पी-1/200396 दिनांक 31.8.2010 के द्वारा सचिव, रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। उचित कार्य नहीं हेतु भेज दिया गया है। अर्जित पत्र की अस्थापित प्रति संलग्न है।

2 एवं 4

नहीं। जनता-प्रभाग में निर्धारित दिनांक-निर्देशों के अनुसार भेजा गया सभी आवेदन पत्रों/शिकायतों का उचित समर्थन कार्य नहीं हेतु संबंधित प्राधिकरणों को भेज दिया जाता है अर्थात् आभार पत्र रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। जैसा की आवेदन द्वारा अर्जित आवेदन के पैरा-चार में पहला ही बताया है उक्त 25.11.2010, 5.4.2010 और 8.4.2010 के पत्र सचिव, रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है। पैरा 2 एवं 4 के प्रभाग में प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा रेलवे मंत्रालय से संबंधित कार्यवाही के बारे में पूछा गया है। अतः इस जवाब का संबंध जनता प्रभाग के अभिलेख से संबंधित नहीं है।

 20-09-10

(आर०के० दास)
अनुभाग अधिकारी

To,
The Prime Minister,
Prime Minister's office,
New Delhi-110001

Respected ~~Madam~~ / Sir I am 60 year old illiterate widow with a family of 12 members. My late husband was an honest and upright person throughout 36 years of his career in northern railway Delhi and he always raised voice against corruption of his officers that is why earlier my husband and now my family have been suffering just because of the powerful group of corrupt railway officers and they are denying me my rights in every possible manner. police from SARAI ROHILLA THANA DELHI 110007 have already visited my place a few days back and have taken my complete story. Sunil Kumar, Dy. CAO CASH OFFICE DELHI NORTHERN RAILWAY, Head DRM Delhi, FA and CAO and others are responsible for miseries of my family. They being powerful, misleading the courts by twisting facts or providing half truth or lies. first my Late husband and now I are being denied my rights and no justice has been provided to me and my family by NORTHERN RAILWAY BARODA HOUSE...DRM OFFICE NORTHERN RAILWAY NEW DELHI has refused to extend our stay in RAILWAY QUARTER KISHAN GANJ DELHI and have passed eviction orders on 30 MAR 2010 from 208/1 railway quarters KISHAN GANJ DELHI 110007, as per order we will have to vacate the railway residence till 13 APR 2010. we have no house to live in DELHI. earlier, applications were filed by me in CIC OFFICE on 24/08/2009 and 04/10/2009 but CIC chief justice never appointed any case hearing and no punishment orders were passed against wrong doer Northern Railway officials and finally the Northern railway DRM office has passed EVICTION ORDERS on 30 MAR 2010 against us from our railway quarter Kishan Ganj Delhi. even after repeated requests, your office also never granted me an appointment with you to share my greivances with you. (papers containing all facts are with your office). may be only death or any thing similar makes you look at poor hapless people beaten by powerful but corrupt system. If due to this injustice any casualty happens on eviction day then you will be responsible for this. That will be the last thing from an insignificant powerless common man to make powerful but deaf people to hear my cry. rgds KHAGOTI DEVI MANRAL W/O Late Sh. CHANDAN SINGH MANRAL 208/1 RAILWAY COLONY KISHAN GANJ DELHI 110007 9268436778, 9268689742, 011-65852652 10 APR 2010 MY STORY not HEARD by even COURTS of JUSTICE I (Smt. Khagoti Devi w/o Late Sh Chandan Singh Manral Ex Head Shroff Cash Deptt DELHI of Northern Railway) request you to consider my mercy petition and provide me justice. The points are as follows: A REINSTATEMENT Vs REAPPOINTMENT B LOYAL QUOTA SCHEME (1974) C MEDICAL GROUND (1996 - 1999) D RETENTION of EXISTING GOVT. QUARTER (I have sent details and documentary proofs about all the said above points thru speed post Dated 25.01.2010 to President, Prime Minister, Rail Minister, State Rail Minister, Chairman Railway, Director Vigilance Railway, Addl Member Railway Board, General Manager Baroda House, DRM office Delhi, CVC, Chief commissioner RTI, Dir CBI, Min of State for Labor and Employment Govt of India, Rahul Gandhi Sec AICC) Detail for said above points is as follows: A REINSTATEMENT Vs REAPPOINTMENT: 11 years more should be counted in total service and Pension, Gratuity and other benefits should also be provided accordingly. My husband Late Sh Chandan Singh Manral Ex Head

Shroff Cash Deptt DELHI of Northern Railway was appointed in Northern Railway on 1.8.1962 in the cash office Delhi and got confirmed in 1963 and got promoted as a SHROFF in 1965. In 1967, he went to his village on leave where he fell ill critically and when he REJOINED the service he was treated as FRESH APPOINTEE which was not justified because my husband had never tendered his resignation and his absence was due to critical illness for which he had SUBMITTED NECESSARY CERTIFICATES (letter Dtd 25.01.2010 thru speed post). While commuting his pension, his initial date of joining in 1962 was not taken into account and it was considered from 1973 when he was categorized as RE-APPOINTED. I believe this action had no justification, it should be considered REINSTATEMENT and it requires reconsideration at your level. **B LOYAL QUOTA SCHEME (1974) Job to my one son under loyal quota scheme (1974).** In May 1974, there was a strike in the Indian railways and the Indian railway board had declared a policy for the loyal employees stating those employees who will not join the railway strike will be given: Promotion, Cash award or their dependent will be given Employment. My late husband, who falls in the category of loyal worker because of not joining the railway strike, was not given any of these three incentives declared by the Indian Railways. When he pressed for the appointment of his daughter and subsequently for his son in the Indian Railway on loyal quota he was informed that this quota scheme had been scrapped in 1976 whereas the records of Indian Railways show that the appointment on this quota was in operation till 1980. Shri Raj Kapoor, son of Shri Prushottam Lal was appointed on 31.08.1980 on loyal quota as loco foreman in loco cleaner and Shri raj Kumar son of Shri Radhey Lal was appointed on 9.9.1980 again as loco foreman in loco cleaner under loyal quota. These instances are clear enough to suggest that when my late husband's request was turned down, the loyal quota scheme was very much in operation. Railway gave a reason for not giving appointment under loyal quota saying that my husband's service in 1974 was only 11 months and not 12 months but later under RTI, the railway board declared that no such condition/guidelines/ directions were issued regarding 12 month service period. (Case no. RTI cell /2009/01005887 dated 11.12.2009 from Mr. Harsha Das Jt Dir Railway board and other letter 97/admin/representation/receipt/part/1 dated 18 Jan 2002 from Devender Roy FA&CAO (T&S) NR BARODA HOUSE NEW DELHI. My husband had been requesting railway authorities for loyal quota benefits since 1974 but it was never given/considered. Had the job under loyal quota been given to my son then railway quarter had been allotted to my son in due course of time. **C MEDICAL GROUND (1996 - 1999) Job to my one son under medical ground (1996 - 1999).** In 1996, my late husband pleaded with the railways that he was unfit to work in the cash dept., therefore, he should be declared medically unfit in 'D' category and in his place one of his son may be given an opportunity to serve the railways. My husband had appealed to hon'ble min of state railways for appointment of one son (letter dated 23.09.1996). His plea was not accepted. Subsequently in 1999, when he was hospitalized for serious ailment and his both kidneys

7

the various kind of harassment on minor issues by the then members of various trade unions who are holding important position now. His loyalty to the railway is beyond doubt as he was instrumental in exposing the currency note mafia operating in the Indian railways as he fought on this issue which was subsequently recognized by the Indian railways. Through this mercy petition I pray to you to order DRM DELHI to stop ordering for vacating railway quarter and retain the railway quarter for my family, provide jobs to my sons under different options said above and also provide all the benefits that my late husband deserved and his dependents requesting for. incidents of corruption of senior officers are with me and I can narrate them with proof to you any time if given an opportunity by you plz do something very urgently or it might be too late to do any thing and it will be loss of justice equality and other noble visions and the soul of our constitution which guarantees the safety/security/prosperity of the common man.

Note:- D.R.M Rly office has alloted house No- 208/1 Railway Colony Kishan Ganj Delhi-7. which was sealed by D.R.M office has the case is still on. D.R.M office is not following any rule's regulation instead of providing any Justice to me and my family. It is violating by right of Job and Government accommodation. The allotment of 208/1 Railway Colony Kishan Ganj Delhi-7 by D.R.M office should be cancelled Immediately.

I expect of positive Answer from you.

Dated:- 13-10-2010

with regards

रागीनी देवी

Khagoti. Devi.

w/o Late Sh. Chandan Singh. Mansal.

$\frac{6}{118}$ New Prem Nagar
Near Lodhi Colony
New Delhi - 3

Ph:- 9268436778